सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 283 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 21 नवम्बर, 2025
मूल्य ₹ 3/-

प्रेम का नाता नाजुक होता है। इसे झटका देकर तोड़ना उचित नहीं होता। यदि यह प्रेम का धागा एक बार टूट जाता है तो फिर इसे मिलाना कठिन होता है और यदि मिल भी जाए तो टूटे हुए धागों के बीच में गाँठ पड़ जाती है। -रहीम दास

दूसरा टेस्ट कल से: भारत पर लीन स्वीप... 7 | गोला-बारूद पर बंगाल में... 3 | भाजपा सरकार अपराधियों व दबंगों... 2

बीजेपी का जय परिवारवाद
बिहार कैबिनेट में बेटा ही डेटा है
नैतिकता की अर्थी पर बेटों का राजतिलक

» बिहार की राजनीति में नया अध्याय

» नयी राजनीति का पुराना चेहरा, बिहार मंत्रिमंडल में वंशवाद की ताजपोशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कभी राजनीति की भीड़ में एक आवाज गूंजती थी कि हम परिवारवाद की राजनीति के खिलाफ हैं। यह देश भ्रष्ट खानदानों से नहीं जनता के दम पर चलेगा। यह नारा सिर्फ नारा नहीं था। यह जनभावना चुनावी भाषण और राजनीतिक स्वच्छता का दावा था जोकि पूरी तरह खोखला साबित हुआ। बिहार में सत्ता का ताज जिस तरह बंटा है उसने इन नारों को हास्य कविता बना दिया है।

एक ऐसा मजाक जिस पर लोकतंत्र शर्म से लाल हो गया है। नीतीश कुमार ने 10वीं बार शपथ ली। गांधी मैदान में भीड़ थी, मंच था, झंडे थे, नारे थे। लेकिन सबसे ज्यादा सुर्खियों में थे वह चेहरे जो नाम और पहचान से नहीं बल्कि बाप और खानदान से पहचाने जाते हैं। क्योंकि मंत्रिमंडल में जगह काबलियत को देखकर नहीं बल्कि वंशावली की पर्चियां देखकर दी गयी है। जी हां वही बीजेपी जिसने परिवारवाद के खिलाफ आंदोलन खड़ा किया था जिसने अखिलेश, तेजस्वी, स्टालिन, और उद्धव को डायनेस्टी प्रोडक्ट कहकर गालियां दीं थी आज उसी रास्ते पर चलते हुए पूरे जोश से परिवारवाद का ध्वज थामे खड़ी है।

जोर से बोलें- बेटों की जय हो

सम्राट चौधरी

पूर्व मंत्री शकुनि चौधरी के पुत्र है।

संतोष सुमन मांझी

पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के बेटे हैं।

दीपक प्रकाश

पूर्व केन्द्रीय मंत्री, राज्यसभा सांसद उपेन्द्र कुशवाहा और विधायक स्नेहलता कुशवाहा के बेटे हैं।

रमा निषाद

पूर्व केन्द्रीय मंत्री कैप्टन जय नारायण निषाद की पुत्रवधु और पूर्व सांसद अजय निषाद की पत्नी हैं।

नितिन नबीन

पूर्व विधायक नवीन किशोर सिन्हा के बेटे हैं।

अशोक चौधरी

पूर्व मंत्री महावीर चौधरी के बेटे हैं।

श्रेयसी सिंह

पूर्व केन्द्रीय मंत्री दिग्विजय सिंह और पूर्व सांसद पुतुल कुमारी की बेटी हैं।

इसके अतिरिक्त बचे पदों जैसे निगम अध्यक्ष, चेयरमैन, सहकारिता और दूसरे अन्य पदों पर इनके रिश्तेदारों का परचम लहरायेगा।

परिवारवाद पर बीजेपी की दोहरी राजनीति

तर्क का नया नाम रख दिया गया राजनीतिक विरासत लोकतांत्रिक अधिकार

वही बीजेपी जो कल तक कहती थी कि डायनेस्टी पालिटिक्स लोकतंत्र के लिए कैंसर है। वही बीजेपी आज जब तेजस्वी यादव उपमुख्यमंत्री बने तो उन्हें लालू की राजनीति का नमूना कहा गया। जब यूपी के मुख्यमंत्री अखिलेश यादव बने तो उन्हें बाप का नाम खाने वाला राजकुमार कहा गया। पर अब जब शपथ मंच पर बेटों और बेटियों की कतारें लगीं तो नैतिकता गायब हो गई और तर्क का नया नाम रख दिया गया राजनीतिक विरासत लोकतांत्रिक अधिकार है।

क्या यही है नया भारत?

राजनीतिक रैलियों में अक्सर नहीं ज्यादातर कहा गया कि हम नई सोच नए चेहरे नई राजनीति करेंगे। जनता के बीच से जनता के नुमाइंदे तय होंगे लेकिन बिहार में दृश्य उल्टा है। नये चेहरे वही पुराने चेहरे हैं बस नाम बदले गये हैं। सोशल मीडिया पर इन चेहरों को जमकर ट्रोल किया जा रहा है और पूछा जा रह है कि अगर सबकुछ वंशवाद से ही तय होना है तो ईवीएम में वोट क्यों डालें जाते हैं? सवाल केवल बीजेपी से नहीं लोकतंत्र से भी पूछा जा रहा है कि क्या योग्यता, संघर्ष, विचारधारा और जनता की उम्मीदें वंशवाद के मुकाबले हमेशा हार जाएंगी? क्या एक सामान्य परिवार का युवा सिर्फ इसलिए पिछड़ जाएगा क्योंकि उसके पिता मंत्री नहीं हैं? इस मंत्रीमंडल ने साबित कर दिया कि चाहे गठबंधन कोई भी हो खेल वही पुराने खिलाड़ी ही खेलेंगे। क्योंकि जनता बदलती है चेहरे बदलते हैं लेकिन कुर्सी की विरासत कभी नहीं बदलती।

भाजपा सरकार अपराधियों व दबंगों को दे रही संरक्षण : अखिलेश यादव

» सपा मुखिया ने कहा- कानून व्यवस्था पर सीएम का जीरो टॉलरेंस का दावा जीरो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा पर करार प्रहार किया है। सपा मुखिया ने कहा कि भाजपा सरकार में प्रदेश की कानून व्यवस्था बर्बाद है। प्रदेश में हर दिन हत्या, बलात्कार, अन्याय, अत्याचार की घटनाएं हो रही है।

अपराधियों, दबंगों को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है। अपराधी खुलेआम हत्याएं कर रहे है। हत्या, लूट अपहरण की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार का जीरो टॉलरेंस का दावा जीरो है। भाजपा सरकार में न बेटियां सुरक्षित हैं न महिलाएं और न व्यापारी, न आम आदमी। अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री से लेकर मंत्री तक कानून, व्यवस्था को लेकर झूठे दावे करते है लेकिन जमीनी सच्चाई भाजपा सरकार की पोल खोल रही है। एटा के सकीट थाना क्षेत्र में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा की दुष्कर्म के बाद हत्या हो गयी। बीते मंगलवार रात उसका अर्धनग्न शव मिला है। प्रयागराज में जार्जटाउन थाने के पास फतेहपुर में तैनात सूचना विभाग के उपनिदेशक का शव मिला। चंदौली के मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र में जीटी रोड पर मंगलवार की रात बदमाशों ने दवा व्यवसायी की गोली मार कर हत्या कर दी।

व्यापारी सुरक्षित है और न बेटियां

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा राज में न व्यापारी सुरक्षित है और न बेटियां। मुख्यमंत्री और सरकार के सारे दावे हवा हवाई हैं। सरकार के पास भाषणों की तुकबंदी और खोखले दावों के अलावा कुछ नहीं है। इस सरकार में अन्याय, अत्याचार चरम पर है। सत्ता के घमंड में भाजपाई अन्याय कर रहे है। प्रदेश में किसी को न्याय नहीं मिल रहा है। भाजपा सरकार में बढ़ते भ्रष्टाचार और अपराधियों की दबंगई से हर कोई परेशान है। भाजपा सरकार ने प्रदेश को प्रगति में बहुत पीछे कर दिया है। भाजपा सरकार ने समाजवादी सरकार में प्रदेश की कानून व्यवस्था सुधारने के लिए शुरू की गयी विश्वस्तरीय डायल 100 सेवा को खराब कर दिया। महिला सुरक्षा के लिए शुरू की गयी 1090 वीमेन पावर लाइन सेवा भी बदहाल है।

भाजपा ने प्रदेश को अराजकता के रास्ते पर धकेला

अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार में आम जनता की मदद और लाभ के लिए जो योजनाएं चलायी गयी थी उनका कोई पुरसाहाल नहीं है। भाजपा ने पूरी व्यवस्था ध्वस्त कर प्रदेश को अराजकता के रास्ते पर धकेल दिया है। अब 2027 में जनता को भाजपा से मुक्ति मिलेगी और समाजवादी सरकार बनते ही खुशहाली आएगी।

सिर्फ चुनाव में पैसा बांटने से नहीं होता कल्याण : मुरली मनोहर

» बीजेपी के दिग्गज नेता ने अपनी सरकार को दी सलाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी ने संविधान के आदेश को पूरा करने के लिए सभी राज्यों में आर्थिक बराबरी और बराबर विकास पक्का करने की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि सिर्फ चुनावों में पैसे बांटने से कल्याण नहीं होता। दरअसल, गुरुवार को भारत के पूर्व चुनाव आयोग और पूर्व कानून सचिव जी वी जी कृष्णमूर्ति की 91वीं जयंती के मौके पर कार्यक्र म का आयोजन किया गया।

इस दौरान बीजेपी के दिग्गज नेता जोशी ने सुझाव दिया कि भेदभाव खत्म करने के लिए, मौजूदा राज्यों को हटाकर छोटे राज्य बनाए जाने चाहिए, जिनमें हर राज्य में बराबर चुनाव क्षेत्र हों और आबादी भी लगभग बराबर हो। पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरली मनोहर जोशी ने कहा कि हर नागरिक को वोट देने का बराबर अधिकार है, लेकिन कर्नाटक, बिहार और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में रहने वाले लोगों की आर्थिक हैसियत में बहुत बड़ा अंतर है। जोशी ने कहा कि कर्नाटक में, किसी व्यक्ति की आर्थिक ताकत क्या है? वह एक खास आर्थिक ताकत के साथ वोट देता है फिर रेगिस्तान, पहाड़ियों या नॉर्थईस्ट में रहने वाले व्यक्ति की आर्थिक ताकत क्या है। क्या उसकी आर्थिक ताकत वैसी ही है? उन्होंने कहा कि संविधान न्याय का अधिकार आर्थिक और राजनीतिक देता है और राजनीतिक अधिकार के लिए, आपको वोट देने का अधिकार दिया गया है। लेकिन यह वोट देने का अधिकार तब तक इस्तेमाल नहीं किया जा सकता जब तक मुझे आर्थिक न्याय न मिले। अंबेडकर ने भी इस बारे में बहुत बात की है। बीजेपी नेता जोशी ने कहा कि कोई ऐसा तरीका खोजने की जरूरत है, जिसमें राजनीतिक और आर्थिक अधिकार बराबर बांटे जाएं, और विकास में भी बराबरी हो। अगर ऐसा नहीं होता है, तो लोकतंत्र के प्रति सभी कमिटमेंट, कल्याण के प्रति सभी कमिटमेंट के बावजूद, हम असली डेमोक्रेट नहीं बन पाएंगे। हम लोगों की सेवा नहीं कर पाएंगे। जोशी ने बिहार चुनाव के नतीजों पर सत्ताधारी एनडीए और विपक्ष के बीच चल रही बहस का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए कहा कि जैसे आज लोग यह सवाल उठा रहे हैं कि आपने चुनाव से पहले पैसे बांटे। सरकार कहती है कि उसने भलाई के लिए पैसे बांटे। वे कहते हैं कि नहीं, आपने वोट खरीदने के लिए पैसे बांटे। उन्होंने कहा कि आर्थिक स्थिति और विकास में अंतर भेदभाव है। चुनावों में पैसे बांटने से कल्याण नहीं होता है। जोशी ने कहा कि समस्या का जवाब पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एक प्रस्ताव में है कि छोटे राज्य हों। अगर आप आज तय करते हैं, कि मान लीजिए 70 राज्य होने चाहिए, जिनकी आबादी लगभग बराबर हो और फिर देखें कि उन्हें बराबर आर्थिक ताकत भी मिले और पार्लियामेंट सबके हित में काम करे।

सपा नेता रमाकांत दुबे का बृजभूषण शरण सिंह को चैलेंज

दम हो तो निर्दलीय चुनाव लड़कर दिखाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के नेता रमाकांत दुबे ने भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह का नाम लिए बिना निशाना साधते हुए ऐसा बयान दिया है, जिसके बाद सियासत गरम हो गई हैं। सपा नेता ने उन्हें चुनौती दी अगर उनमें दम है तो वो निर्दलीय चुनाव लड़कर दिखाएं तो पता चल जाएगा कि दबदबा कहां है?

सपा नेता रमाकांत दुबे का ये वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है. जिसमें वो सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी के महारैली में जनसभा को संबोधित करते दिखाई दे रहा हैं। सपा नेता ने कहा बृजभूषण शरण सिंह पर निशाना साधते हुए सपा सरकार के दिनों की भी याद दिलाई और कहा कि तुम्हारी इज्जत तो समाजवादियों ने ही बचाई थी। सपा नेता ने मंच से कहा- आप लोग मीडिया में बहुत सुनते हैं दबदबा है।, दबदबा रहेगा, अरे दबदबा वालों.. दलाल.. जब समाजवादी पार्टी की सरकार थी, सपा की ताकत थी तब तुम बीजेपी को छोड़कर सपा में शामिल हुए, तब तुम्हारी इज़्ज़त

समाजवादियों ने बचाई.. और तुम्हें जिताकर पहुंचाया। उन्होंने कहा कि आज तुम फिर चले गए हो वहां पर और चाटुकारिता करते हो, और कहते हो कि दबदबा था..दबदबा रहेगा। मैं तुम्हें चैलेंज करता हूं अगर तुम्हारी मां ने दूध पिलाया है, तुम निर्दलीय किसी भी विधानसभा सीट देवीपाटन मंडल से चुन लो..। अभी तुमको औकात पता चल जाएगा कि दबदबा कहां चला गया। बता दें कि सपा नेता रमाकांत दुबे बलरामपुर के रेहरा बाज़ार क्षेत्र के अधीनपुर गाँव के रहने वाले हैं। वो बलराम पुर सीट से टिकट के दावेदार भी रह चुके हैं। उनकी बहू शिल्पीराज अनुसूचित जाति समुदाय से आती हैं। जबकि वो ब्राह्मण समाज से हैं। साल 2005 में वो निर्दलीय जिला पंचायत सदस्य भी रह चुके हैं और ग्राम प्रधान का चुनाव भी लड़ चुके हैं।

स्थानीय निकाय चुनाव में विपक्षी दलों के साथ मिलकर लड़ने की इच्छुक : सुप्रिया सुले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) की सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि उनकी पार्टी आने वाले स्थानीय निकाय चुनाव के लिए सभी विपक्षी दलों को साथ लेकर चलना चाहती है और उनसे बातचीत करेगी सुले ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि राकांपा (एसपी) स्थानीय निकाय चुनाव साथ में लड़ने और महाराष्ट्र के राजनीतिक परिदृश्य के बारे में शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे के साथ चर्चा करेगी।

उन्होंने कहा, ''हम गठबंधन के बारे में अगले सप्ताह मुंबई में कांग्रेस से बात करेंगे।'' जब सुले से पूछा गया कि क्या उनकी पार्टी मुंबई में कांग्रेस या शिवसेना (उबाठा) के साथ निकाय चुनाव लड़ेगी, तो उन्होंने कहा, ''हम सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं। महा विकास आघाडी या 'इंडिया' गठबंधन हो सकता है। अगले हफ्ते एक साफ तस्वीर सामने आएगी।'कांग्रेस ने कहा है कि वह मुंबई नगर निगम के चुनाव 'एक जैसी सोच वाले दलों' के साथ लड़ना चाहती है। राज्य में निकाय चुनाव जनवरी 2026 में होने की उम्मीद है, जिसमें 227 सदस्यों वाली बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) भी शामिल है। कांग्रेस, शिवसेना (उबाठा) और राकांपा (एसपी) विपक्षी गुट महा विकास आघाडी(एमवीए) के हिस्से हैं।

अधिकारियों की लापरवाही से हुआ लालकिला बम ब्लास्ट : दुष्यंत चौटाला

पूर्व उपमुख्यमंत्री ने भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सिरसा (हरियाणा)। लाल किले के समीप हुए ब्लास्ट के तार हरियाणा के फरीदाबाद की एक यूनिवर्सिटी से जुड़े मिले, यह सभी के लिए चिंतनीय है। यह इंटेलिजेंस का फेलियर है। पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने ये बात वीरवार को चौटाला हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहीं।

उन्होंने सरकार से मांग की कि इस मामले में जिस भी सतर्कता अधिकारी अथवा कर्मचारी का दोष पाया जाए, उसके खिलाफ नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए। दुष्यंत चौटाला ने बताया कि जननायक जनता पार्टी के आठवें स्थापना दिवस पर जींद जिले के जुलाना में 7 दिसंबर को रैली होगी। इसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला के मार्गदर्शन में जजपा भविष्य की रणनीति तैयार करेगी।

वहीं प्रदेश सरकार की विफलताओं को भी उजागर किया जाएगा। इसके पहले उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करते हुए उन्हें गांव गांव जाकर जींद रैली के निमंत्रण देने को लेकर ड्यूटियां लगाई। उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष के दौरान प्रदेश का हर वर्ग सरकार की गलत नीतियों से परेशान है। कानून व्यवस्था की लचर स्थिति ने भी सरकार के ढीले प्रबंधों की पोल खोल दी है। पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा कि सरकार की ओर से आरंभ की गई लाडो लक्ष्मी योजना के नाम पर जिस प्रकार गरीब परिवारों के राशन कार्ड काटे गए। उनकी पेंशन को भी प्रभावित किया गया है, जो निंदनीय है।

धान खरीद में सैकड़ों करोड़ रुपये की नकली बिलिंग

धान घोटाले पर उन्होंने कहा कि सैकड़ों करोड़ रुपये की नकली बिलिंग हुई और करोड़ों रुपये फर्जी खातों में डालकर इस घोटाले को अंजाम दिया गया। वर्ष 2019 की तर्ज पर हरियाणा सरकार को प्रदेश के सभी मिलर्स की फिजिकल वेरीफिकेशन करवानी चाहिए। धान की इनकमिंग व डिस्पैच की जांच करें, जो भी अधिकारी इसमें दोषी सिद्ध हो, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही उन्होंने धान के साथ-साथ बाजरे की फसल में भी खरीद बेच में हुई लूट के दोषी अधिकारियों पर दंडात्मक कार्रवाई किए जाने की सरकार से मांग की।

गोला-बारूद पर बंगाल में बवाल

गर्वनर व सांसद कल्याण बनर्जी की लड़ाई सतह पर आई

- असम में मतदाता सूची पर सवाल
- राजभवन व सरकार में रार
- भाजपा ने टीएमसी को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। बंगाल में राजभवन और वहां की टीएमसी सरकार के बीच लड़ाई कुछ दिन शांत रहती है। एकाएक कभी-कभी भड़क उठती है। एसआईआर के मुद्दे पर भाजपा व टीएमसी में तो तलवारें खीचीं हुई ही हैं अब राजभवन में हथियारों को लेकर पश्चिम बंगाल में एक बार फिर सियासत गरमाई है। वंही असम में कांग्रेस व भाजपा में टकरार बनी हुई है। कांग्रेस ने सीएम पर मतदाता सूची में हेरफे र का आरोप लगाया है।

इस बार बंगाल में टीएमसी सांसद और बंगाल के राज्यपाल सामने-सामने हैं। राज्यपाल सी वी आनंद बोस सोमवार को राजभवन में तलाशी अभियान चलाया। यह उन आरोपों को लेकर था, जिसमें कल्याण बनर्जी ने कहा कि राजभवन में बम और बंदूकें छिपाकर रखे गए हैं। तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी का एक बयान आया। उन्होंने आरोप लगाया कि राजभवन परिसर में हथियार और गोला-बारूद जमा हैं। इन आरोपों के बाद, बंगाल के राज्यपाल सी. वी. आनंद बोस ने सुरक्षाकर्मियों और खोजी कुत्तों की एक टीम के साथ राजभवन में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने नागरिक संगठनों के लोगों और पत्रकारों को साथ रखा। अभियान की लाइव स्ट्रीमिंग की गई। बोस के इस एक्शन पर कल्याण बनर्जी ने फिर रिएक्शन दिया और उन्होंने इस अभियान को बच्चों का खेल कहा। उसके बाद कल्याण बनर्जी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई। राजभवन के एक अधिकारी ने बताया कि राज्यपाल बोस ने कोलकाता पुलिस के अधिकारियों और केंद्रीय बलों, बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड की एक टीम का नेतृत्व किया ताकि यह पता लगाया जा सके कि अंदर हथियार और गोला-बारूद जमा है या नहीं। हालांकि, सरकार की ओर से दी गई कड़ी चेतावनी भी कल्याण बनर्जी को अपने तीखे हमले जारी रखने से नहीं रोक पाई। उन्होंने फिर कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो मैं भी जवाबी मुकदमा दायर करूंगा और सुप्रीम कोर्ट तक लड़ाई लड़ूंगा। साथ ही, मैं सरकार को खुले मंच पर पेश होने की चुनौती दे रहा हूं, जहां मैं भी मौजूद रहूंगा।

राजभवन की छानी खाक

एक अधिकारी ने बताया कि सीवी आनंद बोस, उत्तर बंगाल के दौरे पर थे। उन्होंने इस अभियान का नेतृत्व करने के लिए अपनी यात्रा बीच में ही छोड़ दी। यह अभियान राजभवन के ग्राउंड फ्लोर से शुरू हुआ। अधिकारी ने आगे कहा कि राजभवन पुलिस चौकी पर भी सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई थी। आपदा प्रबंधन और नागरिक सुरक्षा विभागों के अधिकारियों ने भी तलाशी में भाग लिया। राजभवन को खाली करा लिया गया और नागरिक समाज के सदस्यों और पत्रकारों को इस अभियान के दौरान बोस के साथ जाने की अनुमति दी गई, जिसका लाइव-स्ट्रीम किया गया।

पुलिसवालों पर होगा एक्शन

राजभवन के एक सूत्र ने बताया कि राज्यपाल कार्यालय ने शहर के पुलिस अधिकारियों को आगाह भी किया है कि अगर मामले की जांच शुरू करने के आदेश का पालन नहीं किया गया तो राज्यपाल के अधिकारों के तहत कार्रवाई की जाएगी। राज्यपाल इस मामले में अपने कार्यालय पर कानूनी विशेषज्ञों से भी सलाह ले रहे हैं। उन्होंने कल्याण बनर्जी से यह भी मांग की कि अगर उनके सार्वजनिक रूप से लगाए गए आरोप झूठे हैं तो वे बिना शर्त माफी मांगें।

कल्याण बनर्जी का फिर वार

कल्याण बनर्जी ने कहा, जब तक पुलिस ने जगह साफ नहीं कर दी हो, कोई पुलिस को क्यों बुलाएगा? यह सब बच्चों का खेल है। अगर वह संविधान का अक्षरश: पालन करते, तो उन्हें ऐसी हरकतें करने की ज़रूरत ही नहीं पड़ती। दरअसल, केंद्रीय गृह मंत्री के सामने उनकी (अन्य राज्यपालों के साथ) अप्रेजल शीट गिर चुकी है। वह अपनी गलती सुधारने के लिए बेताब हैं। उन्हें मेरे खिलाफ लोकसभा में शिकायत करनी चाहिए। वहीं तलाशी के बाद कुछ भी सामने नहीं आने के बाद, बोस ने बनर्जी के निराधार आरोपों के लिए कानूनी प्रावधानों के अनुसार उनके खिलाफ कार्रवाई की कहा है। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने कोलकाता पुलिस को निर्देश दिया था कि वह चार बार तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा सदस्य रहे कल्याण बनर्जी के कोलकाता स्थित राजभवन से हथियार और गोला-बारूद बांटे जा रहे हैं के आरोपों की जांच करें।

टीमएसी ने उठाया है मामला

तृणमूल सांसद ने दावा किया कि राज्यपाल को सबसे पहले अपराधियों को पनाह देना और तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मारने के लिए उन्हें हथियार और गोला-बारूद बांटना बंद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक आप जैसे अक्षम राज्यपाल रहेंगे, जब तक भाजपा का सेवक राज्यपाल रहेगा, आप पश्चिम बंगाल में कभी कुछ अच्छा होते नहीं देखेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में भी एक विवादास्पद बयान दिया और उन्हें पिछले हफ़्ते नई दिल्ली में हुए कार विस्फोट से जोड़ा, जिसमें 12 लोग मारे गए थे। बनर्जी ने कहा कि यह विस्फोट बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण से ठीक एक दिन पहले जानबूझकर किया गया था, ताकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पक्ष में सहानुभूति लहर पैदा की जा सके। उन्होंने सीधे तौर पर प्रधानमंत्री पर उस साजिश का मास्टरमाइंड होने का आरोप लगाया।

सांसद की ओर से लगाए गए आरोप बेहद भड़काऊ : बोस

तलाशी के लिए पूरे राजभवन परिसर को खाली कराया गया। आम लोगों और पत्रकारों को इस अभियान में शामिल होने की अनुमति दी गई। राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने बनर्जी के आरोपों पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि सांसद की ओर से लगाए गए आरोप बेहद भड़काऊ, विस्फोटक और बेहद गैर-जिम्मेदाराना है। बोस ने कहा कि मैंने राजभवन को सार्वजनिक जांच के लिए खोलने का फैसला किया। सुबह 5 बजे से ही नागरिक समाज के प्रतिनिधि और मीडिया राजभवन का दौरा कर रहे है, ताकि पता लगाया जा सके कि क्या यहां हथियारों और गोला-बारूद का कोई जखीरा है, जैसा

कि सांसद ने झूठा दावा किया है। इससे पहले, कल्याण बनर्जी ने आरोप लगाए थे कि राजभवन में हथियार और गोला-बारूद बांटे जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि राज्यपाल बीजेपी के अपराधियों को पनाह दे रहे हैं। कल्याण बनर्जी ने कहा था, पहले राज्यपाल से कहिए कि उन्हें बीजेपी के सभी अपराधियों को राजभवन में नहीं रखना चाहिए। राज्यपाल और टीएमसी के बीच कोई पहली बार विवाद नहीं हुआ। ये टकराव लंबे समय से चला आ रहा है। इस बार एसआईआर को लेकर टकराव नेक्स्ट लेवल पर पहुंच गया है। राज्यपाल एसआईआर का समर्थन कर रहे हैं। जबकि टीएमसी इसके विरोध में खड़ी है। टीएमसी का आरोप है कि ये अदृश्य चुनावी धांधली है। तो वहीं बीजेपी कह रही है कि ममता बनर्जी और उनकी पार्टी घुसपैठियों को बचाने के लिए एसआईआर का विरोध कर रही है। राज्य में पिछले 12 दिनों से एसआईआर चल रहा है। वोटर फेरिफिकेशन किया जा रहा है।

गौरव गोगोई ने असम के मुख्यमंत्री पर लगाया मतदाता सूची में 'बाहरी लोगों' को जोड़ने का आरोप

असम कांग्रेस के प्रमुख गौरव गोगोई ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा अपनी कुर्सी बचाने के लिए राज्य की मतदाता सूची में उत्तर प्रदेश और बिहार के मतदाताओं को शामिल करने का प्रयास कर रहे हैं। धुबरी में पार्टी के एक कार्यक्रम में गोगोई ने कहा, ''असम के लोग शर्मा को पसंद नहीं करते और वह भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) के लिए सबसे बड़ा बोझ हैं। यही कारण है कि मुख्यमंत्री अन्य राज्यों के लोगों के नाम मतदाता सूची में शामिल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।' निर्वाचन आयोग ने एक जनवरी 2026 को

पात्र तिथि मानते हुए मतदाता सूचियों के विशेष पुनरीक्षण का आदेश दिया है। उन्होंने राजनीतिक दलों, मीडिया और राज्य के हितों से जुड़े संगठनों से अपील की कि वे स्थिति से अवगत रहें और यह सुनिश्चित करें कि अन्य राज्यों के लोग आगामी विधानसभा चुनावों में वोट न डालें। गोगोई ने दावा किया कि मुख्यमंत्री शर्मा इस समय गहरी परेशानी'' में हैं इसीलिए उन्होंने एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल से संपर्क साधा है। उन्होंने कहा, बहुत संभव है कि कुछ दिनों बाद असदुद्दीन ओवैसी भी उन्हें राहत देने के लिए असम आएं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

शादियों में भोजन की बर्बादी रोकी जाए

शादी का सीजन प्रारंभ हो चुका है। आजकल वैसे भी शादियां खर्चीली हो गई हैं। इसकी के साथ भोजन की बर्बादी की खबरें आना भी आम हो जाएंगी। सामाजिक व पारिवारिक संगठनों ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए की भोजन बर्बाद न हो। अगर भोजन बच भी जाए तो उसे उन लोगों तक पहुंचाने का प्रयास हो जिन्हें उसकी ज्यादा आवश्यकता हो। कुछ छोटे-छोटे उपायों से हम भोजन की बर्बादी रोक सकते हैं। जैसे खाने का मेन्यू सीमित मात्रा में रखें। शादियों में अनेक प्रकार के व्यंजन बनाए जाते है, जिससे आधा से ज्यादा भोजन बर्बाद होता है। पाश्चात्य खाने पिज्जा, बर्गर, चाऊमीन में लोगों की रुचि बढ़ रही है, जिससे स्टॉल पर ही लोग अपना पेट भर लेते हैं। उसके बाद भोजन में विभिन्न प्रकार की मिठाइयां, सब्जियां, रोटी, पूरी का स्वाद लेने के लिए बेवजह अपनी प्लेट भर लेते हैं। थोड़ा बहुत खाने का स्वाद ले कर ज्यादा खाना कचरा पात्र में चला जाता है। शादियों में बड़े-बड़े खाली पात्र रख दिए जाएं और सूचना लगा दी जाए कि बचे हुए भोजन को इन पात्रों में डालें। खाली प्लेट को कचरा पात्र में डाले इससे भोजन व्यर्थ नहीं होगा और गरीबों के काम आ जाएगा।

शादी समारोह में अक्सर बड़ी मात्रा में स्वादिष्ट भोजन बच जाता है। इस बचे हुए भोजन को फेंकने के बजाय, इसे जरूरतमंदों तक पहुंचाना चाहिए। कई एनजीओ और स्वयंसेवी समूह इस कार्य में लगे हुए हैं। हम ऐसे संगठनों से संपर्क कर सकते हैं, जो शादियों और कार्यक्रमों से बचा हुआ भोजन एकत्र करके उसे गरीब बस्तियों, अनाथालयों या बेघर लोगों तक पहुंचाते हैं। कुछ शहरों में तो मोबाइल ऐप भी उपलब्ध हैं, जिनके ज़रिए हम बचे हुए भोजन की जानकारी दे सकते हैं। इस तरह, न केवल भोजन की बर्बादी रुकती है, बल्कि कई भूखे लोगों को समय पर भोजन भी मिल पाता है। शादियों में भोजन की बर्बादी ना हो, इसके लिए प्रत्येक आयोजनकर्ता को शादी के निमंत्रण पत्र में भोजन बर्बादी ना हो इसका उल्लेख करना चाहिए। इसके साथ भोजन स्थल पर भी चेतावनी बोर्ड लगाने चाहिए। जन जागरूकता को बढ़ावा मिलना चाहिए जिससे भोजन बर्बादी रुक सके। शादियों में भोजन मेहमानों की वास्तविक संख्या के अनुसार बनाया जाए और मेन्यू सीमित रखा जाए। बुफे में छोटी प्लेटें और छोटे सर्विंग चम्मच देने से लोग जरूरत के अनुसार ही भोजन लेते हैं। स्टॉलों पर जितना चाहिए उतना लें जैसे संदेश भी प्रभावी होते हैं। ताजा और गुणवत्तापूर्ण भोजन हमेशा कम बर्बाद होता है, इसलिए कैटरिंग प्रबंधन पर विशेष ध्यान जरूरी है। बचा हुआ साफ भोजन फीडिंग इंडिया जैसी संस्थाओं को दान कर समाज हित में उपयोग किया जा सकता है। परिवार और आयोजकों को नो फूड वेस्ट जोन जैसी पहल अपनाकर भोजन के सम्मान और संसाधनों की बचत का संदेश देना चाहिए।

“ शादियों में बड़े-बड़े खाली पात्र रख दिए जाएं और सूचना लगा दी जाए कि बचे हुए भोजन को इन पात्रों में डालें। खाली प्लेट को कचरा पात्र में डाले इससे भोजन व्यर्थ नहीं होगा और गरीबों के काम आ जाएगा। शादी समारोह में अक्सर बड़ी मात्रा में स्वादिष्ट भोजन बच जाता है। इस बचे हुए भोजन को फेंकने के बजाय, इसे जरूरतमंदों तक पहुंचाना चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मतदाता की जागरूकता से ही निरंकुशता पर अंकुश

हिहिहिहि

बिहार का चुनाव भी हो गया। परिणाम कुल मिलाकर अप्रत्याशित तो रहे पर इतने अप्रत्याशित नहीं कि उन पर हैरान ही हुआ जाये। चुनाव प्रचार के दौरान जिस तरह के हालात बनते दिख रहे थे, उनमें कहीं न कहीं यह तो लगने लगा था कि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को जीत मिल सकती है पर इतनी बड़ी जीत होगी, ऐसा नहीं लग रहा था। इस बात को यूं भी कहा जा सकता है कि महागठबंधन की इतनी बुरी हार होगी, ऐसा भी नहीं लग रहा था। पर ऐसा हुआ। भारतीय जनता पार्टी की ऐसी जीत और राजद की ऐसी हार अप्रत्याशित तो थी, पर यह भी समझना जरूरी है कि यह स्थिति चिंताजनक भी है। सत्तारूढ़ पक्ष या विपक्ष के लिए नहीं, देश में जनतंत्र के भविष्य के लिए यह स्थिति चिंताजनक है।

हमारी जनतांत्रिक व्यवस्था में मजबूत सरकार का होना कतई चिंता की बात नहीं है, पर विपक्ष का इतना कमजोर हो जाना निश्चित रूप से चिंता की बात होनी चाहिए। यह पहली बार नहीं है कि किसी विधानसभा में, या फिर संसद में भी, असंतुलित परिणाम आये हैं–इतने असंतुलित परिणाम कहना चाहिए इसे! और यह 'इतने' शब्द यहां चिंता की बात को प्रकट करता है। ऐसी जीत जीतने वाले को अति विश्वास से भर देती है और यह अति विश्वास उसे, कुछ भी कर सकता हूं, का अहसास दिलाने वाला होता है। अच्छा और मजबूत होने का अहसास गलत नहीं है, पर यह मजबूती यदि घमंड में बदल जाती है तो इसे सही नहीं कहा जा सकता। सही नहीं होने का यह खतरा आज हमारे जनतंत्र पर मंडरा रहा है। ऐसा नहीं है कि ऐसी स्थितियां पहले कभी नहीं बनीं। राज्यों में भी ऐसा हो चुका है, और केंद्र में भी। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद जब चुनाव हुए थे तो राजीव गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस को लोकसभा में चार सौ से अधिक सीटें मिली थीं। अति घमंड की स्थिति बन सकती थी। पर तब कांग्रेस को यह अहसास था कि उसे सहानुभूति की लहर का लाभ मिला है। पर अब बिहार में भाजपा की जीत के मामले में ऐसी बात नहीं है। उसके पक्ष में कोई 'सहानुभूति लहर' नहीं थी। भाजपा और 'जदयू' की जीत तथा कांग्रेस और राजद की हार के कारणों पर विचार होगा और भविष्य में भी होता रहेगा। पर इस बात पर विचार होना जरूरी है कि इस तरह के अप्रत्याशित परिणाम चिंता का कारण भी होने चाहिए। कोई जीत इतनी बड़ी नहीं होनी चाहिए कि जीतने वाला स्वयं

को अपराजेय समझने लगे और कोई भी हार इतनी बुरी नहीं होनी चाहिए कि हारने वाले को यह लगने लगे कि अब कोई उम्मीद नहीं बची। बहरहाल, बिहार के इन चुनाव- परिणामों पर दो दृष्टियों से विचार होना चाहिए–पहले तो इस दृष्टि से कि क्या जीतने वाला अपनी श्रेष्ठता के कारणों से ही जीता है और दूसरी यह कि हारने वाला कहां चूक गया। भाजपा की जीत पर उंगली उठाने वालों का मानना है कि चुनाव में ऊंच-नीच हुई है। यह सवाल चुनाव आयोग पर भी है। उस पर आरोप लग रहा है कि उसने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष, दोनों, से भाजपा की जीत में मदद की है। इस तरह के आरोप मतदान से पहले भी लगते रहे थे, अब भी लग रहे हैं। ऐसी ही किसी मदद से इनकार के अलावा और कोई ठोस प्रमाण चुनाव आयोग ने नहीं दिया। चुनाव आयोग से यह अपेक्षा और उम्मीद की जा रही है कि वह यह बतायेगा कि भाजपा की बिहार सरकार को एक करोड़ 10 लाख महिला मतदाताओं को चुनाव से ठीक पहले दस-दस हजार रुपये नकद सहायता देने से रोका क्यों नहीं गया? पहले भी सरकारें नकद रेवड़ियां बांटती रही हैं। महाराष्ट्र के पिछले चुनाव में भी 'लाड़ली बहिना' को नकद सहायता देने के आरोप लगे थे। तब आरोप यह भी था कि भाजपा को मदद पहुंचाने के लिए चुनाव आयोग ने तब हरियाणा और महाराष्ट्र में चुनाव एक साथ नहीं कराये थे, जबकि पिछले 15 सालों से इन दोनों राज्यों में चुनाव साथ-साथ होते आये हैं। चुनाव आयोग पर आरोप लगा था कि महाराष्ट्र में चुनाव तीन-चार महीने टालकर उसने महाराष्ट्र की तत्कालीन सरकार को रेवड़ियां बांटने का पर्याप्त समय दिया था। आयोग ने इस आरोप का कोई विश्वसनीय उत्तर नहीं दिया था। जहां तक बिहार में हारने वाले की चूक का सवाल है, इस बात के कई उदाहरण दिये जा सकते हैं कि कांग्रेस और राजद दोनों ने वह ताकत नहीं लगायी जो जीतने के लिए ज़रूरी होती है। सीटों के बंटवारे और उम्मीदवारों के चयन में दोनों ने एक तरह से अत्यधिक देरी की थी। नीतीश कुमार पर व्यक्तिगत आरोप लगाने की नीति भी गलत सिद्ध हुई। उधर कांग्रेस के नेता राहुल गांधी का चुनावों को हल्के में लेने का रवैया भी कुल मिलाकर आत्मघाती ही सिद्ध हुआ। महागठबंधन के साथी सहयोगियों को अपनी कमज़ोरी और गलतियों पर गंभीरता से विचार करना होगा।

ये पर्यावरणीय न्याय की राह तो नहीं

हिहिहिहिहि

बेलेम, ब्राज़ील में आयोजित कॉप-30 सम्मेलन को जलवायु संकट पर वैश्विक कोष से आर्थिक मदद देने और कॉप-27 के निर्णयों को ईमानदारी से लागू करवाने वाले संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन के रूप में प्रचारित किया गया। यदि सच में ऐसा है, तो यह आगे बढ़ सकेगा जब जलवायु न्याय की धारणा प्रबल हो। यह स्वीकारा जाए कि जिस दर से जलवायु बदलाव के आघात बढ़ रहे हैं, जिस दर से पृथ्वी गर्म हो रही है, अनुकूलन की प्रक्रिया उस हिसाब से पिछड़ती जा रही है। शरम अल शेख में आयोजित कॉप-27 सम्मेलन में खेमों में बंटे देशों में व्यवहार में कटुता देख संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस को तो यहां तक कहना पड़ा था कि उत्तर और दक्षिण तथा विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक-दूसरे पर आरोप लगाने का यह उपयुक्त समय नहीं है।

उनका कहना था कि हम उन देशों को पर्यावरण न्याय से वंचित नहीं कर सकते हैं, जिनकी जलवायु आपदा लाने में कोई भूमिका नहीं रही है। उनका आशय सबसे कम विकसित और द्वीपीय देशों से भी था, जिनका जलवायु आपदा उत्पन्न करने में सबसे कम अंश है, किंतु जो जलवायु आपदा की मार सबसे ज्यादा झेलते हैं। अंतत: कॉप के इतिहास में कॉप-27 ऐसा पहला सम्मेलन बन गया था, जिसमें भारी दबावों के बीच धनी देशों ने आर्थिक और सामाजिक संरचनाओं को होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए कार्बन प्रदूषण से पीड़ित गरीब देशों को एक मुआवजा कोष की मांग मानी थी। कॉप-27 में जलवायु जोखिम संभावित संकट-उन्मुख देशों ने तो कोष स्वीकृति पर दबाव बनाने के लिए यह धमकी भी दे डाली थी कि जब तक इस पर निर्णय नहीं होगा, वे वापस नहीं जाएंगे। आज वैज्ञानिक सुझा रहे हैं कि तेल भंडारों में बचे तेल को भी वहीं रहने दीजिए। परंतु हो उलटा रहा है। आसमान में जो ऐतिहासिक कार्बन उत्सर्जन जमा है, उसका 90 प्रतिशत पश्चिमी देशों और जापान का है। तेल ही नहीं, कोयले को भी तेजी से ज्यादा मात्रा में बाहर निकाला जा रहा है।

देश अपनी बढ़ी जरूरतों के लिए अपने कोयले के आयातों को बढ़ा रहे हैं। हालात ये हैं कि कोयले तक की मांग बढ़ रही है। भारत भी उनमें से एक है। ऐसे में अब एक्टिविस्ट उन बंदरगाहों और यार्डों पर प्रदर्शन कर रहे हैं, जहां से निर्यात का कोयला भेजा जा रहा है। भारत समेत विश्व के कई देशों ने शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने के प्रयास भी जारी रखे हैं। किंतु साफ ऊर्जा का उत्पादन इतना नहीं हो रहा है कि वह विभिन्न देशों और विभिन्न क्षेत्रों की सारी जरूरतों को पूरी तरह किफायती तौर पर पूरा कर सके। जितना साफ ऊर्जा का उत्पादन बढ़ता है, तब तक उससे ज्यादा ही विभिन्न कार्यों और क्षेत्रों के लिए ऊर्जा की जरूरतें भी बढ़ जाती हैं। इसका एक उदाहरण चीन भी है। यूरोपीय यूनियन तो उन आयातों पर भी कार्बन टैक्स लगाने का सोच रही है, जिनके निर्माण में थ्रेशहोल्ड वैल्यू से ज्यादा उत्सर्जन होता है।

ऐसे में मजबूरन ही सही, विभिन्न देश अपने-अपने देशों में जीवाश्म ईंधनों के उपभोग, उपयोग और उत्पादन पर कड़े से कड़े नियम लागू कर रहे हैं। इनके अंतर्गत प्रतिष्ठानों, उद्यमों या सेवा क्षेत्र के प्रदाताओं को विभिन्न गतिविधियों के संचालन को जारी रखने के लिए या तो साफ ऊर्जा स्रोतों का विकल्प चुनना है, अथवा टेक्नोलॉजी और गतिविधिक पद्धतियों से उत्पादनों को शून्य कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन से बनाना है। अक्तूबर, 2023 में विश्व की 130 प्रमुख कंपनियों ने, जिनमें महेन्द्रा ग्रुप, नेशनल वोल्वो कार जैसी कंपनियां शामिल हैं, जिनका वैश्विक वार्षिक राजस्व करीब एक खरब अमेरिकी डॉलर था, वैश्विक नेताओं से कहा है कि अगले समिट में वे फॉसिल फ्यूल फेज-आउट के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त करें। धनी अर्थव्यवस्था वाले देशों के लिए 2035 तक सौ प्रतिशत डिकार्बोनाइज्ड सिस्टम और इसे 2040 तक प्राप्त करने के लिए गरीब देशों को आवश्यक पूरी वित्तीय सहायता दी जाए। कॉप-28 के चीफ, यूएई के सुल्तान अल जबर ने अप्रैल, 2023 के एक सम्मेलन में यह कहा था कि तेल साफ ऊर्जा बदलाव में महत्वपूर्ण रहेगा। हमें पेट्रोल या फॉसिल फ्यूल फेज-आउट के बजाय इनके द्वारा पैदा होने वाले इमिशन फेज-आउट की जरूरत है।

उनका कहना था कि सोलर और पवन ऊर्जा ज्यादा कुछ नहीं कर सकती हैं, बदलाव रोकने में खासकर स्टील, सीमेंट और एल्यूमीनियम उद्योगों में उत्सर्जन कम करने में मुश्किलें आ रही हैं। कुछ उद्योग हैं, जो कार्बन-इंटेन्सिव हैं। यदि देश इन उद्योगों की अपनी उन इकाइयों पर प्रतिबंध लगाएंगे तो इसका विकास पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। जिससे आवश्यक उत्पादों में कमी और प्रतिबंधात्मक उपायों से उनके नागरिकों की आजीविका और जीवन गुणवत्ता पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। घोर जलवायु संकट से लड़ने के लिए 2050 तक कार्बन न्यूट्रल दुनिया की आवश्यकता का संदेश यूएन के महासचिव ने 2019 में कॉप-25 में ही दे दिया था। भारत समेत विश्व के कई देशों ने शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने के प्रयास भी जारी रखे हैं। किंतु पेट्रोल और कोयले का उपयोग छोड़िए, धरती के कोख से इनको निकालने की भी तेजी कम नहीं होने वाली है। फॉसिल फ्यूल्स फेज-आउट की जगह इमिशन फेज-आउट की वकालत हुई, तो गरीब देश कहां जाएंगे? व्यापार पर भी असर पड़ेगा। एक तरफ लॉस एंड डैमेज फंड से कुछ नहीं मिला, ऊपर जलवायु परिवर्तन का दंश भी झेल रहे हैं। कुछ का तो अस्तित्व ही दांव पर है। उनकी समस्या इस हद तक है कि सागर में डूबते अपने नागरिकों को कहां बसाएं।

हिमाचल प्रदेश

जहां मिलेगा स्वर्ग जैसा ट्रेकिंग रूट्स और एडवेंचर

हिमाचल प्रदेश की वादियां अपनी प्राकृतिक सुंदरता, हरियाली, मौसम के लिए लोकप्रिय हैं। यहां गर्मियों से लेकर सर्दियों तक हर मौसम में पर्यटकों को शानदार अनुभव मिलता है। वहीं रोमांचक सफर का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो भी हिमाचल प्रदेश के कुछ ट्रेक्स बेहद परफेक्ट जगह हैं। ट्रेकिंग का शौक रखने वाले लोग अक्सर यहां के लोकप्रिय ट्रैक त्रिउंड या खीरगंगा तक ही सीमित रहते हैं, जबकि असली जादू उन रास्तों में छिपा है जहां भीड़ कम और प्रकृति अपनी शुद्धता के साथ मौजूद है। ये ट्रेक न सिर्फ साहसिक अनुभव देते हैं, बल्कि आपको स्थानीय संस्कृति, पहाड़ी जीवन और प्रकृति की गहराई से भी जोड़ते हैं।

हमटा पास

हमटा पास मनाली को लाहौल-स्पीति से जोड़ने वाला लोकप्रिय लेकिन भीड़ से थोड़ा अलग ट्रेक है। इस ट्रेक में हरे-भरे घास के मैदानों से लेकर ठंडी रेगिस्तानी वादियों तक का अनुभव मिलता है। जुलाई से सितंबर तक यह ट्रेक सबसे खूबसूरत दिखता है जब बर्फ पिघलकर झरनों और नदियों का रूप लेती है।

चंद्रखणी पास

कुल्लू घाटी से होकर गुजरने वाला चंद्रखणी पास ट्रेक रोमांच और अध्यात्म दोनों का संगम है। कहा जाता है कि यहां देवताओं का वास है। रास्ते में सेब के बाग, देवदार के जंगल और रंग-बिरंगे जंगली फूल मिलते हैं। पास से आपको पार्वती घाटी, मलाणा और किन्नौर की चोटियों का मनोरम दृश्य देखने को मिलता है।

तीर्थन घाटी ट्रेक

ये धरती पर अनदेखा स्वर्ग है। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में स्थित त्रेहटन घाटी ट्रेक कम भीड़ वाला लेकिन बेहद खूबसूरत अनुभव देता है। यहां आप हिमालयी गांवों की संस्कृति, स्थानीय खान-पान और अप्रतिम बर्फीली चोटियों का नजारा देख सकते हैं। यह ट्रेक उन लोगों के लिए परफेक्ट है जो भीड़ से दूर प्रकृति के बीच कुछ दिन बिताना चाहते हैं। तीर्थन घाटी दिल्ली से करीब 502 किलोमीटर है। जो कि कुल्लू जिले में स्थित है। इस घाटी का मौसम सालभर सुहावना रहता है। तीर्थन घाटी के आसपास कई खूबसूरत गांव हैं जहां आप प्राकृतिक छटाओं का आनंद ले सकते हैं। इस जगह पर सैर करने के लिए देश-विदेश से टूरिस्ट आते हैं।

ब्यास कुंड ट्रेक

ब्यास कुंड, जिसे एक पवित्र झील माना जाता है, कल्लू घाटी में स्थित है और ब्यास नदी का मूल स्रोत है। यह स्थान पौराणिक महत्व रखता है। इसे पांडवों की पौराणिक यात्रा का रास्ता माना जाता है। मनाली से शुरू होने वाला ब्यास कुंड ट्रेक एक छोटा लेकिन बेहद सुंदर ट्रेक है। यह वही स्थान है जिसे ऋषि वेदव्यास की तपोस्थली माना जाता है। यहां से बर्फ से ढकी चोटियां और चमकती झील का नजारा मन मोह लेता है। यह ट्रेक शुरुआती ट्रेकर्स के लिए भी आसान है और गर्मियों में खास आकर्षण रखता है।

हंसना मना है

पुराने छात्रों के मिलन समारोह में अध्यापक ने सभी छात्रों से पूछा, इस स्कूल में आपका कोई कड़वा अनुभव? एक छात्र बोला, मैं और मेरी वाइफ इसी स्कूल में मिले थे।

पत्नी-'मैं तुमसे जो भी कहती हूं आप एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल देते हो।' पति-'किन्तु मैं जो कहता हूं आप उसे दोनों कानों से सुनकर मुंह से निकाल देती हो।'

सुरेश-'अरे प्रकाश! हाथ में चोट कैसे लगी।' प्रकाश-'मैंने गाय के दांत गिनने के लिए उसके मुंह में हाथ डाला। उसने मेरी उंगली गिनने के लिए मुंह बन्द कर लिया।'

एक इंसान (दूसरे इंसान से)-'आ जाओ, कुत्ते से डरो नहीं।' पहला व्यक्ति-'क्यों, आपका कुत्ता काटता नहीं?' दूसरा व्यक्ति-'यही देखने के लिए तो आपको बुलाया है।'

बुढ़िया (डांक्टर से)-'दांत निकाल दीजिए।' डॉक्टर-'मुंह खोलो।' बुढ़िया-'लो, खोल दिया।' डॉक्टर-'थोड़ा और खोलो।'बुढ़िया ने मुंह ऊपर किया। डॉक्टर-'थोड़ा और खोलो।' बुढ़िया (क्रोध में)-'क्या मुंह में बैठकर ही दांत निकालने का विचार है?

कहानी | मेंढक और चूहा

एक घने जंगल में एक छोटा-सा जलाशय था। उसमें एक मेंढक रहा करता था। उसे एक दोस्त की तलाश थी। एक दिन उसी जलाशय के पास से चूहा निकला। चूहे ने मेंढक को दुखी देखकर उससे पूछा, दोस्त क्या बात है तुम बहुत उदास लग रहे हो। मेंढक ने कहा कि मेरा कोई दोस्त नहीं है, जिससे मैं ढेर सारी बातें कर सकूं। अपना सुख-दुख बताऊं।' इतना सुनते ही चूहे ने उछलते हुए जवाब दिया, 'अरे! आज से तुम मुझे अपना दोस्त समझो, मैं तुम्हारे साथ हर वक्त रहूंगा।' इतना सुनते ही मेंढक बेहद खुश हुआ। दोस्ती होते ही दोनों घंटों एक दूसरे से बातें करने लगे। मेंढक जलाशय से निकलकर कभी पेड़ के नीचे बने चूहे के बिल में चला जाता, तो कभी दोनों जलाशय के बाहर बैठकर काफी बातें करते। दोनों के बीच की दोस्ती दिनों-दिन काफी गहरी होती गई। चूहा और मेंढक अपने मन की बात अक्सर एक दूसरे से साझा करते थे। होते-होते मेंढक के मन में हुआ कि मैं तो अक्सर चूहे के बिल में उससे बातें करने जाता हूं, लेकिन चूहा मेरे जलाशय में कभी नहीं आता। ये सोचते-सोचते चूहे को पानी में लाने की मेंढक को एक तरकीब सूझी। चालाक मेंढक ने चूहे से कहा, 'दोस्त हमारी मित्रता बहुत गहरी हो गई है। अब हमें कुछ ऐसा करना चाहिए, जिससे एक दूसरों की याद आते ही हमें आभास हो जाए।' चूहे ने हामी भरते हुए कहा, 'हां जरूर, लेकिन हम ऐसा करेंगे क्या?' दुष्ट मेंढक फटाक से बोला, 'एक रस्सी से तुम्हारी पूंछ और मेरा एक पैर बांध दिया जाए, तो जैसे ही हमें एक दूसरे की याद आएगी तो हम उसे खींच लेंगे, जिससे हमें पता चल जाएगा।' चूहे को मेंढक के छल का जरा भी अंदाजा नहीं था, इसलिए भोला चूहा एकदम इसके लिए राजी हो गया। मेंढक ने जल्दी-जल्दी अपने पैर और चूहे की पूंछ को बांध दिया। इसके बाद मेंढक ने एकदम से पानी में छलांग लगा ली। मेंढक खुश था, क्योंकि उसकी तरकीब काम कर गई। वहीं, जमीन पर रहने वाले चूहे की पानी में हालत खराब हो गई। कुछ देर छटपटाने के बाद चूहा मर गया। बाज आसमान में उड़ते हुए यह सब देख रहा था। उसने जैसे ही पानी में चूहे को तैरते हुए देखा तो बाज तुरंत उसे मुंह में दबाकर उड़ गया। दुष्ट मेंढक भी चूहे से बंधा हुआ था, इसलिए वो भी बाज के चंगुल में फंस गया। मेंढक को पहले तो समझ ही नहीं आया कि हुआ क्या। वो सोचने लगा आखिर वो आसमान में उड़ कैसे रहा है। जैसे ही उसने ऊपर देखा तो बाज को देखकर वो सहम गया। वो भगवान से अपनी जान की भीख मांगने लगा, लेकिन चूहे के साथ-साथ बाज उसे भी खा गया।

7 अंतर खोजें

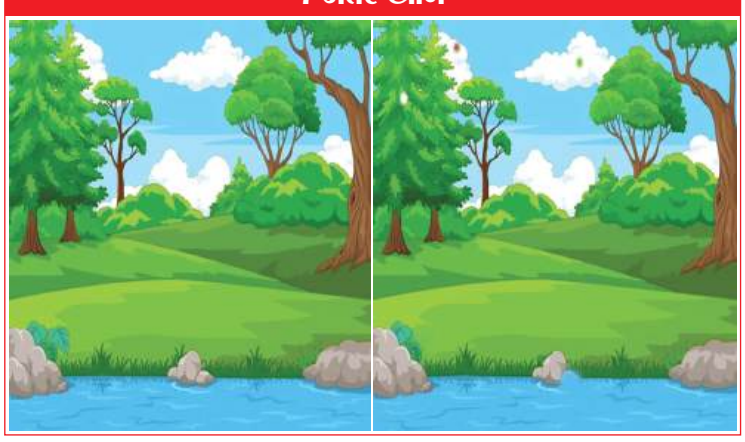

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। नए विचार दिमाग में आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। धनार्जन होगा।

वृषभ

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। दूसरे आपसे अधिक की अपेक्षा करेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है।

मिथुन

मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

कर्क

घर में अतिथियों का आगमन होगा। प्रसन्नता तथा उत्साह बने रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। आलस्य हावी रहेगा। प्रमाद न करें। विवेक का प्रयोग करें।

सिंह

नौकरी में अधिकार वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश मनोनकूल रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या

व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। विवाद से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। पुराना रोग उभर सकता है।

तुला

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा।

वृश्चिक

मान-सम्मान मिलेगा। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा।

धनु

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें।

मकर

कीमती वस्तुएं इधर-उधर हो सकती हैं, संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। यात्रा में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट संभव है।

कुम्भ

व्यापार व व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी।

मीन

नौकरी में रुतबा बढ़ेगा। आय के नए साधन प्राप्त हो सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। जीवन सुखमय व्यतीत होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

बतौर निर्देशक हाथ आजमाने को तैयार कोंकणा सेन शर्मा

कोंकणा सेन शर्मा ने न सिर्फ एक अभिनेत्री बल्कि एक डायरेक्टर के तौर पर भी अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने साल 2016 में आई फिल्म डेथ इन द गंज का निर्देशन किया। वह लस्ट स्टोरीज 2 की सह-निर्देशक रहीं। अब एक्ट्रेस-डायरेक्टर ने अपने अगले डायरेक्टोरियल प्रोजेक्ट के बारे में अपडेट दी है। अपने अगले प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी देते हुए कोंकणा सेन शर्मा ने एचटी से बताया यह एक कॉमेडी शो है, जिसे मैं अपने कॉलेज के दोस्त जयदीप सरकार के साथ लिख रही हूं और इसका निर्देशन कर रही हूं। मैं इसे लेकर थोड़ी घबराई हुई हूं लेकिन इसके साथ हमें मजा आने वाला है। कई कलाकार अपने निर्देशन में बन रहे शो में काम करते हैं। ऐसे में कोंकणा सेन शर्मा से पूछा गया कि क्या वह अपने निर्देशन में बन रहे शो में काम करेंगी? इस पर उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं इसमें बतौर अभिनेत्री काम करूंगी। मेरे पास कई दूसरे अच्छे कलाकार हैं, इसलिए मैं चीजों को अपने लिए मुश्किल क्यों बनाऊं। मैंने देखा है कि कलाकार प्रोजेक्ट को खुद लिखते हैं और उसका निर्देशन करते हैं। हालांकि मेरे पास अभी वो काबिलियत नहीं है। कोंकणा सेन शर्मा ने फिल्म पेज 3 से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। हाल ही में वह साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म लाइफ इन ए मेट्रो के सीक्वल मेट्रो इन दिनो में नजर आईं। इसमें पंकज त्रिपाठी, सारा अली खान, अली फजल, फातिमा सना शेख, अनुपम खेर और नीना गुप्ता जैसे कलाकार थे। इसका निर्देशन अनुराग बसु ने किया।

कार्तिक आर्यन के घर गूंजेगी शहनाई, बहन कृतिका तिवारी जल्द लेंगी सात फेरे

बॉलीवुड के डैशिंग स्टार एक्टर कार्तिक आर्यन की खुशी इस वक्त सातवें आसमान पर हैं। दरअसल एक्टर की बहन कृतिका तिवारी जल्द ही दुल्हन बनने जा रही हैं। ऐसे में कार्तिक अपनी फिल्म के प्रमोशन के साथ-साथ बहन की शादी की तैयारियों में भी जुट गए हैं। तो चलिए जानते हैं कि कृतिका तिवारी की शादी कब और कहां होने जा रही है?

पिंकविला की एक रिपोर्ट के अनुसार कार्तिक की बहन कृतिका तिवारी की इसी साल दिसंबर के महीने में होने जा रही है। खबर के अनुसार शादी से पहले कृतिका की सगाई

बॉलीवुड | गपशप

होगी। कृतिका की ये सारी रस्में कार्तिक आर्यन के होमटाउन यानिए एमपी के ग्वालियर में निभाई जाएंगी। फिलहाल इनकी डेट का खुलासा अभी तक नहीं किया गया है।

बता दें कि कार्तिक की बहन कृतिका एक डॉक्टर हैं। जो लाइमलाइट से दूर रहती हैं। उनका कार्तिक से बहुत गहरा बॉन्ड है। अक्सर एक्टर दिवाली और रक्षाबंधन में कृतिका के साथ फनी तस्वीरें शेयर करते रहते हैं। खबरें ये भी हैं कि कार्तिक अपने बिजी शेड्यूल से वक्त निकालकर बहन की शादी की पूरी जिम्मेदारी निभाएंगे। एक्टर के फैंस ये गुड न्यूज सुनकर काफी एक्साइटिड हो गए हैं।

कार्तिक आर्यन के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्टर इन दिनों अपनी फिल्मों 'नागजिला' और 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' को लेकर चर्चा में हैं। एक्टर की फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' इसी साल क्रिसमस के मौके पर यानि 25 दिसंबर को रिलीज होगी। फिल्म में दूसरी बार कार्तिक की जोड़ी एक्ट्रेस अनन्या पांडे के साथ देखने को मिलेगी। दोनों इससे पहले 'पति पत्नी और वो' में नजर आई थे। वहीं एक्टर की दूसरी फिल्म 'नागजिला' पर अभी काम चल रहा है। ये फिल्म अगले साल रिलीज होगी।

सनी देओल की गबरू में भाईजान की दिखेगी दमदार परफॉर्मेंस

सनी देओल एक के बाद एक दमदार फिल्मों से बॉक्स ऑफिस पर कहर बरपा रहे हैं। 2023 में गदर 2 से उन्होंने बंपर कमाई की। इतना ही नहीं इस साल उनकी फिल्म जाट ने भी जमकर नोट छापे। अब अभिनेता ने 2026 के लिए भी अपनी कमर कस ली है। रिपोर्ट्स की मानें तो सनी देओल नए साल की शुरुआत बॉर्डर 2 के साथ करेंगे। इसके साथ ही वो इमोशनल ड्रामा गबरू में भी नजर आएंगे। अब इस फिल्म को लेकर नया अपडेट सामने आया है जिसमें बताया गया कि सलमान खान भी गबरू का हिस्सा बनने वाले हैं। जानिए पूरी डिटेल।

बॉलीवुड | चर्चा

सनी देओल की फिल्म गबरू अगले साल थिएटर्स में दस्तक देने वाली है। इस फिल्म को शशांक उदापुरकर ने डायरेक्ट किया है और विशाल राणा इसके प्रोड्यूसर हैं।

बॉलीवुड हंगामा के रिपोर्ट के मुताबिक अब भाईजान भी सनी देओल के साथ गबरू का हिस्सा बनने वाले हैं। मीडिया पोर्टल ने सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि फिल्म में एक स्टार की कमी थी और मेकर्स ये जानते थे कि इस कमी को सिर्फ सलमान खान ही पूरा कर सकते हैं।

इसके बाद मेकर्स ने भाईजान को अप्रोच किया और वो भी इस किरदार के लिए मान गए। इतना ही नहीं रिपोर्ट्स में ये भी बताया गया कि सलमान खान ने अपने स्पेशल अपीयरेंस की शूटिंग लगभग 1 साल पहले ही कर ली थी।

अजब-गजब | छतरपुर के जंगलों में मिलती है यह लकड़ी

पानी में भी नहीं सड़ती ये लकड़ी! इससे बनते हैं मजबूत घर

छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में एक ऐसा पेड़ भी पाया जाता है, जो अपने विशेष गुणों के लिए जाना जाता है। आज भी इस लकड़ी से मजबूत घर बनाए जाते हैं। हालांकि यह पेड़ पहाड़ी इलाकों में ही देखने को मिलता है। किसानों के मुताबिक, इस पेड़ की लकड़ी पानी में भी सड़ती नहीं है। साथ ही यह हमें आसानी से बिना खर्च मिल जाती है। इस लकड़ी की खासियत यह है कि यह गीली होने पर भी जलती है। तो आइए जानते हैं इस पेड़ की खासियतों के बारे में।

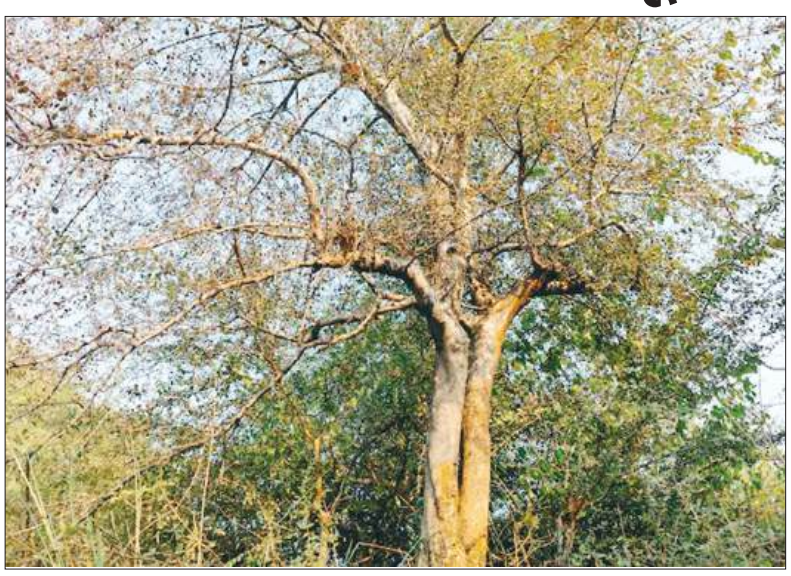

छतरपुर के किसान कालीचरण सोनी बताते हैं कि जिले में इस पेड़ को क्षेत्रीय भाषा में करदई पेड़ कहा जाता है। उन्होंने कहा, हम पीढ़ियों से इस पेड़ को देख रहे हैं। यह किसान भाइयों को आसानी से मिल जाता है। हालांकि यह एक जंगली पेड़ है, जो पहाड़ के आसपास ही दिखाई देता है लेकिन यहां वन विभाग की जमीन नहीं है, तो इसे हर किसान अपने खेत में लगाता है।

किसान बताते हैं कि करदई पेड़ की लकड़ी किसान भाइयों को फ्री में मिल जाती है। वे इस लकड़ी से खेत की बाउंड्री बनाते हैं ताकि आवारा जानवरों से फसल सुरक्षित हो सके। यह लकड़ी खेतों में सालों लगी रहती है लेकिन खराब नहीं होती है क्योंकि करदई लकड़ी पानी में सड़ती नहीं है, इसलिए यह लकड़ी मजबूत और लंबे समय तक टिकने वाली होती है। अगर आप इसे दो साल तक भी पानी में डालकर रखेंगे, तो भी यह सड़ती नहीं है। हम यह देखते आए हैं, इसलिए इस लकड़ी की विशेषता बता रहे हैं। आसपास के लोग इसे 12 महीने घर में जलाने के लिए भी ले जाते हैं। इस लकड़ी की दूसरी खासियत यह है कि इसे बरसात हो या फिर ठंड, सभी तरह के मौसम में जलाया जाता है क्योंकि यह लकड़ी गीली होने पर भी सूखी लकड़ी की तरह ही जलती है।

वह आगे बताते हैं कि करदई लकड़ी के घर भी बनाए जाते हैं और यह घर बहुत ही मजबूत होते हैं। यह लकड़ी मजबूत होने के चलते लोग आज भी इसके घर बनाते हैं। यह किसान भाइयों को फ्री में मिल जाती है।

ये है दुनिया का सबसे बड़ा पेड़, ढंक लेगा पूरा शहर!

आपने आजतक कई तरह के जंगल देखे होंगे। कोई जंगल कम पानी वाले पेड़ों से भरा होता है। किसी को रेन फॉरेस्ट कहा जाता है। लेकिन क्या आपने कभी ये सोचा है कि एक अकेला पेड़ पूरा जंगल बन जाए? जी हां, ऐसा सच में हो चुका है और वो भी ब्राज़ील में। इसका नाम है काजू डो काजू यानी काजू का सबसे बड़ा पेड़। ये दुनिया का एकमात्र एक पेड़ वाला जंगल है जो 8 हेक्टेयर यानी करीब 20 एकड़ जमीन पर फैला हुआ है। ये इतना बड़ा इलाका है कि इसमें कि इसमें अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल स्टेडियम आराम से समा सकता है। ये पेड़ ब्राज़ील के रियो ग्रांडे डो नोर्टे राज्य के नताल शहर से सिर्फ 50 किलोमीटर दूर पिरांगी बीच के पास है। 1888 में एक मछुआरे ने सिर्फ दो काजू के पौधे लगाए थे। उनमें से एक पौधा बड़ा होते-होते अजीबोगरीब तरीके से फैलने लगा। आज वो दुनिया का सबसे बड़ा काजू का पेड़ है और गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी उसका नाम दर्ज है। सामान्य पेड़ों की टहनियां नीचे की ओर झुकती हैं तो टूट जाती हैं, लेकिन इस पेड़ को एक दुर्लभ जेनेटिक म्यूटेशन है। इसकी शाखाएं जब जमीन को छूती हैं तो वहां से नई जड़ें निकल आती हैं और वो जगह नया तना बन जाता है। यानी ये पेड़ चलता-फिरता है। हर साल ये 6-8 मीटर और फैल जाता है। वैज्ञानिक इसे फाइटोक्रोमल एक्सपैंशन कहते हैं। इस पेड़ का क्षेत्रफल 8.5 हेक्टेयर (85,000 वर्ग मीटर) है। इसकी ऊंचाई औसतन 10-12 मीटर (कुछ जगह 15 मीटर तक) है और इसमें कुल 5000 से ज्यादा तने हैं। हर नई जड़ नया तना बनाती है। इसमें लगभग 80 लाख पत्तियां हैं। और एक पेड़ से हर साल 80,000 काजू (करीब 2.5 टन) पैदा होते हैं। पेड़ इतना घना है कि इसकी छांव में 7000 लोग एक साथ बैठ सकते हैं। लोग इस पेड़ को Tree of Laziness भी कहते हैं क्योंकि इसकी छांव इतनी घनी और ठंडी है कि जो भी इसके नीचे लेटता है उसका उठने का मन ही नहीं करता। ये पेड़ पर्यटन का बड़ा केंद्र बन गया है। इस पेड़ के नीचे रेस्तरां, गिफ्ट शॉप, व्यू पॉइंट और वॉकवे बनाए गए हैं। हर साल 10 लाख से ज्यादा टूरिस्ट यहां आते हैं। ऊपर बने व्यूइंग डेक से देखो तो ऐसा लगता है जैसे हरा समुद्र फैला हो। लोकल लोग इसे दुनिया का आठवां अजूबा कहते हैं।

रोजगार दो सामाजिक न्याय दो पदयात्रा के दसवें दिन भी जुटी भारी भीड़

» आप नेता संजय सिंह ने बीजेपी सरकार पर किया जमकर प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रतापगढ़। आप की रोज़गार दो सामाजिक न्याय दो पदयात्रा का आज दसवां दिन है। आज आप के सांसद संजय सिंह के नेतृत्व प्रतापगढ़ के एनआरएस रिजॉर्ट विश्वनाथ गंज भवानी पुर से प्रारंभ हो कर दोपहर में जम जम स्कूल पहुंचेगी। उसके बाद यात्रा वृंदावन वटिका मऊ आइमा चौपाही बाग प्रयागराज में रात्रि विश्राम करेगी। इस बीच यह यात्रा लगभग 12 किमी का सफर तय करेगी। इससे पहले नौवें दिन प्रतापगढ़ में जबरदस्त जनसमर्थन के साथ आगे बढ़ी।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह की अगुवाई में पदयात्रा सुबह 10 बजे आशीर्वाद बैंक्वेट से शुरू हुई और भगत सिंह प्रतिमा चौराहा, भूपिया मऊ, एचपीएस वाटिका होते हुए विश्वनाथगंज बाज़ार पहुंची।

पूरे रास्ते लोग जिस तरह पदयात्रा के स्वागत में सड़कों पर उमड़ पड़े, वह इस बात का प्रमाण था कि यह यात्रा अब एक राजनीतिक कार्यक्रम के बजाय जनता की उम्मीदों की आवाज़ बन चुकी है। युवा हों या महिलाएं, किसान हों या बुनकर-सबने इस पदयात्रा में शामिल होकर संजय सिंह के आह्वान को मजबूत समर्थन दिया। वकीलों, मज़दूरों, छोटे कारोबारियों, आशा बहुओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षा मित्रों, शिक्षा अनुदेशकों और पुरानी पेंशन बहाली की मांग करने वाले कर्मचारियों ने भी पूरे रास्ते भारी उत्साह के साथ पदयात्रा में अपनी सहभागिता दर्ज की और पदयात्रा को जनता का अभूतपूर्व समर्थन मिला।

उम्मीद करें नीतीश को न मिले धोखा : खेड़ा

» कांग्रेस ने 10वीं बार सीएम बनने पर दी बधाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को रिकॉर्ड 10वीं बार पद की शपथ लेने पर बधाई देते हुए, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने उन पर कटाक्ष किया और उम्मीद जताई कि उन्हें कोई धोखा नहीं सहना पड़ेगा और वे अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। खेड़ा ने नीतीश कुमार और बिहार में एनडीए से अपने चुनावी वादे पूरे करने को कहा। कांग्रेस नेता ने कहा कि हम नीतीश कुमार जी को बधाई देते हैं और उम्मीद करते हैं कि उन्हें कोई धोखा नहीं सहना पड़ेगा और वे अपना कार्यकाल पूरा कर पाएंगे।

कम से कम वे कुछ ऐसा तो कर पाएं जो पिछले 20 सालों में नहीं हुआ। बिहार में वे चाहे जैसे भी जीते, उन्हें अपने वादे पूरे करने चाहिए। इससे पहले आज, जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के अन्य प्रमुख नेताओं की उपस्थिति में रिकॉर्ड 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में हुआ, जहाँ 2005, 2010 और 2015 में उनके शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हो चुके हैं। यहीं पर जयप्रकाश नारायण ने 1974 में अपने भाषण में संपूर्ण क्रांति का आह्वान किया था।

वादे पूरे करे नई सरकार : तेजस्वी

नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण के बाद लालू यादव के छोटे बेटे और राजद नेता तेजस्वी यादव का बड़ा बयान सामने आया है। तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके नीतीश कुमार और अन्य मंत्रियों को बधाई दी है। तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा, आदरणीय नीतीश कुमार जी को बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई। मंत्रिपरिषद् के सदस्य के रूप में शपथ लेने वाले बिहार सरकार के सभी मंत्रियों को हार्दिक शुभकामनाएं। इसके साथ ही उन्होंने आगे लिखा कि आशा है नई सरकार जिम्मेदारी पूर्ण लोगों की आशाओं और अपेक्षाओं पर खरा उतर अपने वादों एवं घोषणाओं को पूरा करेगी तथा बिहारवासियों के जीवन में सकारात्मक व गुणात्मक परिवर्तन लाएगी। बता दें कि बिहार में चुनाव में हार मिलने के बाद से ही तेजस्वी यादव सोशल मीडिया गायब थे। जिसके बाद आज शपथ ग्रहण वाले दिन उनका पोस्ट आया है। जिसमें उन्होंने नीतीश कुमार को बधाई दी है।

दूसरा टेस्ट कल से: भारत पर क्लीन स्वीप का खतरा

» शुभमन गिल की उपलब्धता पर अभी भी असमंजस बरकरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला शनिवार से गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में खेला जाएगा। सीरीज में 0-1 से पीछे चल रही टीम इंडिया पर हार का दबाव है और यहां दूसरा मैच निर्णायक बन सकता है। पहले टेस्ट में गर्दन में ऐंठन के कारण रिटायर्ड हर्ट हुए भारतीय कप्तान शुभमन गिल की उपलब्धता पर अभी भी असमंजस है। बैटिंग कोच सितांशु कोटक ने कहा कि गिल की फिटनेस का अंतिम निर्णय मैच से एक दिन पहले लिया जाएगा। मेडिकल टीम चाहती है कि वे पूरी तरह फिट होने पर ही मैदान में उतरें, ताकि जोखिम से बचा जा सके।

यदि गिल नहीं खेलते हैं, तो साई सुदर्शन को ओपनिंग स्लॉट मिल सकता है। टीम मैनेजमेंट एक अतिरिक्त स्पेशलिस्ट बल्लेबाज पर भी विचार कर रहा है। वहीं नीतीश रेड्डी को ऑलराउंडर के विकल्प के तौर पर स्क्वॉड में वापस जोड़ा गया है। वे तभी प्लेइंग-11 में आएंगे जब वॉशिंगटन सुंदर या अक्षर पटेल में से किसी एक को बाहर किया जाए। कोलकाता टेस्ट में 30 रन से हार के बाद भारत पर इस घरेलू सीरीज में क्लीन स्वीप का खतरा मंडरा रहा है। 2025 में गिल भारत के टॉप रन-स्कोरर रहे हैं, लेकिन उनका बाहर होना टीम की बल्लेबाजी को कमजोर कर सकता है। गेंदबाजी में मोहम्मद सिराज अब तक 41 विकेट लेकर भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनकारी रहे हैं। साउथ अफ्रीका की ओर से वियान मुल्डर इस साल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं, जबकि केशव महाराज 22 विकेट के साथ उनके टॉप गेंदबाज बने हुए हैं।

एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है भाजपा : वाड्रा

» ईडी के मनी-लॉन्ड्रिंग केस में चार्जशीट दाखिल करने से भड़के

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ मनी-लॉन्ड्रिंग मामले में नई चार्जशीट दाखिल की। चार्जशीट दाखिल होने के कुछ घंटे बाद ही वाड्रा ने आरोप लगाया कि एजेंसी के पास न तो कोई सबूत है और न ही किसी तरह का बयान, फिर भी उन्हें राजनीतिक कारणों से निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने इस कार्रवाई को विच-हंट बताते हुए कहा कि जांच एजेंसियों का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है और इतने सालों की पूछताछ तथा 30,000 से अधिक दस्तावेज देखने के बावजूद कोई गलत काम साबित नहीं हो सका।

ईडी ने यह चार्जशीट ब्रिटेन के डिफेंस डीलर संजय भंडारी से जुड़े मनी-लॉन्ड्रिंग केस में दाखिल की है। इस मामले में पहली बार वाड्रा को आरोपी बनाया गया है और वे इस केस के नौवें आरोपी हैं। चार्जशीट में संजय भंडारी, सुमित छड्ढा, संजीव कपूर, अनिरुद्ध वाधवा और कई विदेशी व भारतीय कंपनियों के नाम भी शामिल हैं। अदालत इस चार्जशीट पर 6 दिसंबर को सुनवाई करेगी। ईडी ने यह मामला दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में आगे बढ़ाया है।

डीके के समर्थकों ने डाला दिल्ली में डेरा

» नहीं टला कर्नाटक में संकट: सिद्धारमैया के मुख्यमंत्री कार्यकाल पर चल रही चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक कांग्रेस में संकट की चल रही चर्चा के बीच, कर्नाटक के डिप्टी चीफ मिनिस्टर डीके शिवकुमार के एक मंत्री और कुछ एमएलए पार्टी हाईकमान से मिलने के लिए नई दिल्ली गए। कर्नाटक के मिनिस्टर एन चालुवरायस्वामी, एमएलए इकबाल हुसैन, एच सी बालकृष्ण और एस आर श्रीनिवास गुरुवार को दिल्ली गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि शु क्र वार को 12 और एमएलए दिल्ली पहुंच सकते हैं। हालांकि, जब इस बारे में पूछा गया, तो शिवकुमार ने कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है और उनकी तबीयत ठीक नहीं है।

इससे पहले, करीब एक दर्जन एमएलसी ने नेशनल कैपिटल में डेरा डाला था और कांग्रेस जनरल सेक्रेटरी से बात की थी। यह घटनाक्रम मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के ढाई साल का कार्यकाल पूरा होने के एक दिन बाद हुआ है। बीस मई 2023 को विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी। कांग्रेस शिवकुमार को मनाने में कामयाब रही व उन्हें उपमुख्यमंत्री बना दिया। उस समय कुछ खबरें थीं कि बारी-बारी से मुख्यमंत्री बनाने के फॉर्मूले के आधार पर समझौता हो गया है, जिसके अनुसार शिवकुमार ढाई साल बाद मुख्यमंत्री बनेंगे, लेकिन पार्टी द्वारा इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

हम सब मिलकर काम करेंगे : उपमुख्यमंत्री

अपने कैंप के एमएलए के दिल्ली जाने की खबरों पर, शिवकुमार ने कहा कि उन्हें प्लान के बारे में पता नहीं था। उन्होंने रिपोर्टर्स से कहा, मुझे नहीं पता। मेरे पास ज्यादा जानकारी नहीं है। मैंने किसी से नहीं पूछा है। मुझे कुछ नहीं पता। उन्होंने आगे कहा कि खराब सेहत की वजह से वे बाहर नहीं निकले हैं, मेरी तबीयत ठीक नहीं है। इसलिए मैं घर से बाहर नहीं निकला हूं। चीफ मिनिस्टर सिद्धारमैया के इस दावे के बारे में पूछे जाने पर कि वे सीएम बने रहेंगे, शिवकुमार ने कहा, बहुत खुश हूं, किसने मना किया? किसी ने यह नहीं पूछा कि हम कौन हैं या वे सीएम बनेंगे या नहीं। पार्टी ने हमें जिम्मेदारी दी है, हम उसी के हिसाब से काम करेंगे। हम सब मिलकर काम करेंगे।

भारत की आत्मा को समझना है तो नेहरू को पढ़िए : राहुल गांधी

» नेता प्रतिपक्ष ने की डिजिटल आर्काइव की तारीफ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी ने जवाहरलाल नेहरू के लेखन के एक व्यापक डिजिटल संग्रह के उद्घाटन की सराहना की और इसे भारत की लोकतांत्रिक यात्रा को समझने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए एक शक्तिशाली दिशासूचक बताया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि देश के पहले प्रधानमंत्री के कार्य केवल ऐतिहासिक अभिलेख नहीं हैं, बल्कि राष्ट्र की विकसित होती अंतरात्मा को दर्शाते हैं, जिसमें उसके साहस, संदेह और आकांक्षाओं को समाहित किया गया है। संग्रह के महत्व पर अपने विचार साझा करते हुए, राहुल गांधी ने कहा कि नेहरू के लेखन आधुनिक भारत को आकार देने वाली चुनौतियों और विजयों के बारे में गहरी अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं।

राहुल गांधी ने पोस्ट किया नेहरू के लेखन केवल इतिहास नहीं हैं, वे भारत की विकसित होती अंतरात्मा का अभिलेख हैं। हमारे राष्ट्र की लोकतांत्रिक यात्रा उसके साहस, उसके संदेहों, उसके सपनों को समझने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए उनके शब्द एक शक्तिशाली दिशासूचक हैं। मुझे खुशी है कि यह विरासत अब सभी के लिए खुली, खोज योग्य और मुफ़्त है। इसका विस्तार होता रहेगा। जवाहरलाल नेहरू की चुनिंदा कृतियां का पूर्णत: डिजिटलीकरण कर दिया गया है। नए लॉन्च किए गए डिजिटल संग्रह में नेहरू के निबंध, पत्र, भाषण और व्यक्तिगत विचार स्वतंत्र रूप से सुलभ और खोज योग्य हैं, जिससे शोधकर्ता, छात्र और नागरिक भारत के पहले प्रधानमंत्री के विचारों को एक सुविधाजनक प्रारूप में खोज सकते हैं। इस संग्रह को निरंतर विस्तारित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, और समय के साथ इसमें अतिरिक्त लेखन और दस्तावेज़ों को शामिल करने की योजना है।

जी-20 में मोदी की सुरक्षित यात्रा पर जयराम रमेश ने कसा तंज

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शुक्र वार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दक्षिण अफ्रीका में जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग ले रहे हैं, क्योंकि अमेरिका ने वार्षिक अंतर-सरकारी बैठक का बहिष्कार करने का फैसला किया है। कांग्रेस महासचिव (संचार) ने एक्स पर एक पोस्ट में यह भी दावा किया कि प्रधानमंत्री हाल ही में भारत-आसियान शिखर सम्मेलन के लिए कुआलालंपुर नहीं गए, ताकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ आमने-सामने की बातचीत से बचा जा सके। याद कीजिए कि कुछ दिन पहले श्री मोदी भारत-आसियान शिखर सम्मेलन के लिए कुआलालंपुर नहीं गए थे क्योंकि वहाँ उन्हें राष्ट्रपति ट्रंप से आमने-सामने होना पड़ता। यह असाधारण है कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि अमेरिका दक्षिण अफ्रीका के जी-20 के एकजुटता, समानता और स्थिरता के विषयों का इस आधार पर विरोध करता है कि ये अमेरिका-विरोध के समान हैं। संयोग से, यह वही मार्को रुबियो है जिन्होंने 10 मई को शाम 5:37 बजे दुनिया को ऑपरेशन सिंदूर को अचानक रोकने की सबसे पहले घोषणा की थी। रमेश ने यह भी बताया कि यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या प्रधानमंत्री मोदी अगले जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, जिसकी मेज़बानी अमेरिका 2026 में करने वाला है। उन्होंने कहा कि जी20 की अध्यक्षता हर साल बदलती रहती है। भारत ने नवंबर 2023 में इंडोनेशिया से कार्यभार संभाला था और नवंबर 2024 में ब्राज़ील को सौंप दिया था। अब दक्षिण अफ्रीका को अमेरिका को सौंपना है, जो इस बार मौजूद नहीं होगा। इसलिए अगला जी20 शिखर सम्मेलन एक साल बाद अमेरिका में होगा। तब तक, संभवत:, भारत का अमेरिका के साथ व्यापार (या) समझौता हो चुका होगा। लेकिन अगर पिछले सात महीनों में राष्ट्रपति ट्रंप ने 61 बार दावा किया है कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर रोक दिया है, तो सोचिए कि अगले बारह महीनों में वह कितनी बार इन दावों को दोहराएँगे।

बंगाल से बांग्लादेश तक डोली धरती, तीन की मौत

» कोलकाता में भूकंप के तेज झटके, घर छोड़कर भागे लोग

» अफगानिस्तान व पाकिस्तान में भी महसूस हुए झटके

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। शक्र वार को कोलकाता समेत बंगाल के कई जिलों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। सुबह 10.10 बजे यह झटका आया। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.7 मापी गई है। 17 सेकेंड तक धरती डोली। इस भूकंप का केंद्र बांग्लादेश बताया गया है। बांग्लादेश में भूकंप के कारण तीन लोगों की जान गई है। जानकारी के अनुसार, शुक्र वार सुबह बांग्लादेश में टुंगी से करीब 27 किलोमीटर पूर्व भूकंप आया, जिसके कंपन बंगाल तक महसूस किए गए।

स्थानीय समयानुसार झटके सुबह 10 बजकर 38 मिनट पर दर्ज किए गए। यूरोपियन-मेडिटेरेनियन सीस्मोलॉजिकल सेंटर के मुताबिक भूकंप के बाद कई क्षेत्रों से हल्के झटकों की सूचनाएं भी सामने आई हैं। बंगाल के मालदा, नादिया, कूचबिहार, दक्षिण दिनाजपुर और हुगली सहित कई जिलों में भी कंपन दर्ज किए गए. झटके सिर्फ पश्चिम बंगाल तक सीमित नहीं रहे, बल्कि त्रिपुरा के कई हिस्सों में भी भूकंप महसूस किया गया. बताया जा रहा है कि बांग्लादेश की राजधानी ढाका में आए भूकंप के बाद यह कंपन पूर्वोत्तर और कोलकाता तक पहुंचे। पाकिस्तान में तड़के भूकंप के तीव्र झटके महसूस किए गए, जिसके बाद कई क्षेत्रों में लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। अफगानिस्तान, पाकिस्तान और उत्तर भारत का बड़ा हिस्सा दुनिया के सबसे सक्रिय भूकंप-प्रवण क्षेत्रों में गिना जाता है. यहां भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों की टकराहट के कारण हल्के से लेकर तेज झटकों तक, भूकंप अक्सर आते रहते हैं।

भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.7 दर्ज की गई

नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने बताया कि भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.7 दर्ज की गई और इसका केंद्र जमीन से करीब 135 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था. राहत की बात यह है कि अब तक किसी प्रकार के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। अफगानिस्तान में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार पहला झटका रात 1:59 बजे आया, जिसका केंद्र लगभग 190 किलोमीटर की गहराई पर था। इसके बाद सुबह 3:09 बजे पाकिस्तान में दूसरा, अधिक तीव्र झटका महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता 5.2 रही।

पश्चिम बंगाल में कोई बिल पेंडिंग नहीं : राज्यपाल सीवी आनंद बोस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने शुक्र वार को कहा कि सर्वोच्च न्यायालय का हालिया आदेश, जिसमें कहा गया है कि अदालतें राष्ट्रपति और राज्यपालों द्वारा राज्य विधानमंडल द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने के लिए समय-सीमा निर्धारित नहीं कर सकतीं, भारतीय संविधान में शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत को पुष्ट करता है।

उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि संविधान में प्रत्येक पद के लिए लक्ष्म रेखाएँ खींची गई हैं। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने कहा, इससे यह संदेश गया है कि भारत का सर्वोच्च न्यायालय भारत के संविधान में निहित शक्तियों के पृथक्करण को बरकरार रखता है। इसका मतलब यह नहीं है कि राज्यपाल फाइलों पर हाथ धरे बैठे रह सकते हैं... निर्वाचित मुख्यमंत्री निश्चित रूप से सरकार का चेहरा होता है, न कि मनोनीत राज्यपाल।

उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यह फ़ैसला राज्यपाल और मुख्यमंत्री की भूमिकाओं पर एक स्पष्ट संकेत देता है, जो संवैधानिक सीमाओं का सम्मान करते हुए सहयोग के महत्व को रेखांकित करता है। संविधान ने प्रत्येक पद के लिए लक्ष्म रेखाएँ खींची हैं। बोस ने आगे कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के इस फ़ैसले से यही संदेश आया है कि इस सीमा को पार न करें, एकजुट रहें और मिलकर काम करें।

राज्य के हक की लड़ाई जारी रहेगी : स्टालिन

» सुप्रीम कोर्ट के परामर्श पर बोले तमिलनाडु के सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार और राज्यपाल एन रवि के बीच लंबे समय से चल रहे विवाद के बीच मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राज्यों के अधिकार को लेकर बड़ा बयान दिया है।

दरअसल, अप्रैल माह में सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम आदेश में कहा था कि विधानसभा से पारित विधेयकों पर राष्ट्रपति और राज्यपालों को समयसीमा के भीतर फैसला करना होगा। इस मुद्दे पर राष्ट्रपति ने 14 सवाल भेजकर सुप्रीम कोर्ट से राय मांगी थी। अपने परामर्श में चीफ जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि विधेयकों पर निर्णय लेने के लिए अदालतें समयसीमा तय नहीं कर सकतीं। सुप्रीम कोर्ट की पीठ के परामर्श के बाद अब इस मामले में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने प्रतिक्रि या दी है। उ

न्होंने कहा, संविधान में संशोधन होने तक वे चुप नहीं बैठेंगे। डीएमके प्रमुख स्टालिन ने सख्त तेवर दिखाते हुए शुक्रवार को कहा, राज्यपालों के लिए बिल मंजूरी की समयसीमा तय करने को लेकर संविधान में संशोधन होने तक वे पीछे नहीं हटेंगे। स्टालिन ने यह बयान सुप्रीम कोर्ट की राष्ट्र पति संदर्भ पर दी गई सलाहकार राय के बाद दिया। उन्होंने कहा कि हमारा संघर्ष राज्य के अधिकारों और सच्चे संघीय ढांचे के लिए जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल, 2025 को तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में जो आदेश पारित किया है, उस पर 20 नवंबर को दिए गए परामर्श का कोई असर नहीं होगा।

राज्यपाल बिना वजह बिल रोक नहीं सकते

स्टालिन ने इस बात पर भी जोर दिया कि गवर्नर के पास बिल को रोकने या पॉकेट वीटो करने का कोई विकल्प नहीं है। वह बिल को बिना वजह रोक नहीं सकता। उन्होंने यह भी कहा कि गवर्नर के पास इस बात का 'चौथा विकल्प' नहीं होता कि वह बिल को लटका कर रखे।

आखिर कब तक जुर्माना-जुर्माना खेलता रहेगा नगर निगम!

» नगर आयुक्त के निर्देश पर दो जोनों में औचक निरीक्षण

» सफाई व्यवस्था में मिली गंभीर खामियाँ, दो एर्जोसियों पर जुर्माना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर नगर निगम प्रशासन ने शहर की सफाई व्यवस्था की जमीनी स्थिति जानने के लिए जोन-5 और जोन-1 में औचक निरीक्षण किया।

अपर नगर आयुक्तों की टीमों ने क्षेत्र में पहुंचकर डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन, रोड स्वीपिंग, नाली सफाई और कचरा प्रबंधन का प्रत्यक्ष मूल्यांकन किया। निरीक्षण में कई गंभीर खामियाँ सामने आईं, जिन पर तुरंत कार्रवाई की गई। जोन-5, सफाई व्यवस्था बेहद खराब, लॉयन एनवायरो पर 15,000 जुर्मानाअपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव ने ओम नगर वार्ड का निरीक्षण किया, जहाँ कई अनियमितताएँ पाई गईं। डोर-टू-डोर कलेक्शन नियमित नहीं, रोड स्वीपिंग अधूरी नालियों की समुचित सफाई नहीं, वार्ड के कई खाली प्लॉटों में गंदगी जमा, कूड़ा उठान वाहन की संख्या कम, लॉयन एनवायरो कंपनी के कर्मचारी वर्दी में नहीं मिले

इन लापरवाहियों पर संबंधित एजेंसी लॉयन एनवायरो पर 15,000 का जुर्माना लगाते हुए तुरंत सुधार के निर्देश दिए गए। जोन-1, अपार्टमेंट्स में कचरा उठान 50त ही, संस्था पर 10,000 जुर्माना,सुबह 9 बजे अपर नगर आयुक्त ललित कुमार ने राजा राम मोहन राय मॉडल वार्ड में निरीक्षण किया।

नगर निगम की चेतावनी

प्रशासन ने चेतावनी दी है कि सफाई में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आगामी दिनों में अन्य जोनों में भी इसी प्रकार निरीक्षण होंगे।शहरवासियों ने भी सवाल उठाया कि आखिर कब तक नगर निगम प्राइवेट एजेंसियों के साथ सिर्फ जुर्माना-जुर्माना खेलता रहेगा?

जोनल अधिकारियों की भी जिम्मेदारी : शैलेन्द्र वर्मा

बीजेपी पार्षद शैलेन्द्र वर्मा ने भी कंपनियों पर लगाए गए जुर्माने को सही ठहराया और कहा कि किसी भी जोन में सफाई व्यवस्था की खराबी के लिए सिर्फ कंपनी ही नहीं, बल्कि वहां के जोनल अधिकारी और जेडएसओ भी पूरी तरह जिम्मेदार हैं। पार्षद ने कहा कि अधिकारी नियमित रूप से क्षेत्र में निकलकर निरीक्षण करें एवं यह सुनिश्चित करें कि सफाई सही ढंग से हो, ताकि जनता को गंदगी का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही पार्षद वर्मा ने आज सफाई जागरूकता अभियान भी चलाया। गोमतीनगर विभूतिखंड क्षेत्र के अपने वार्ड में उन्होंने स्वयं लोगों को बैग वितरित किए और अपील की कि लोग बाजार से सामान या सब्ज़ी पॉलीथिन में न लाएं, बल्कि बैग का उपयोग करें।

कई पार्षदों ने सफाई व्यवस्था में लापरवाही पर उठाए सवाल

पार्षद मुकेश सिंह मोंटी ने कहा कि जिस कंपनी को पहले बेहतर कार्य करने पर भारत सरकार का प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया, उसी पर अब करोड़ों रुपये का जुर्माना लगाया जा रहा है। उन्होंने प्रश्न उठाया कि नगर निगम पहले सम्मान देता है और बाद में नाराज़ होकर कार्रवाई करता है यह कैसी परंपरा है?उन्होंने कहा कि शहर में सफाई कार्य के लिए बड़ी-बड़ी कंपनियों को अनुबंध पर रखा गया है, लेकिन सफाई न होने के कारण अब तक भारी-भरकम जुर्माना लगाया जा चुका है। पार्षद मोंटी ने यह भी कहा कि काम में लापरवाही होती है तो जुर्माना लगना बिल्कुल सही है, लेकिन नगर निगम को और सख्त रुख अपनाना चाहिए ताकि शहर स्वच्छ और सुंदर बने।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।